

संपादकीय

दबाव से परत पाक

आरिकरकार अंतर्राष्ट्रीय दबाव में जर्जर अर्थव्यवस्था बाले पाकिस्तान ने स्वीकारा है कि उसकी धरती पर मदरसों में घुणा का पाठ पढ़ाया जाता रहा है। सरकार ने अब डन मदरसों को नियंत्रण में लेकर दुनियावी ज्ञान व आधुनिक शिक्षा देने का फैसला किया है। दुनिया में हुई बड़ी आतंकी घटनाओं में इस्लामिक आतंकवादियों की भूमिका से अलग-थलग पड़ते पाक जैसे देशों और मसूद अजहर के मामले में अमेरिका, ब्रिटेन व फांस की प्रतिबद्धता के चलते पाक बैकपुट पर नजर आ रहा है। यहां तक कि आतंकवादियों को आर्थिक मदद देने के आरोप में पाक को त्रण देने वाली संस्थाओं द्वारा कदम पीछे खींचने तथा इस मामले की निगरानी करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा पाक को ग्रे सूची में शामिल करने से पाक अब बाह्यका की मुद्रा में है। कहना कठिन है कि मदरसों पर नियंत्रण का फैसला इन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के दबाव में लिया गया है या फिर पाक को अपने अपराध बोध का अहसास हुआ है। बहरहाल, पाक छुकमारों द्वारा मदरसों में हेट स्पीच की पढ़ाई की बात को स्वीकारना भारत की बड़ी जीत है। भारत दशकों से कहता रहा है कि पाक आतंक की पाठशालाएं चला रहा है। पाक सेना के प्रवक्ता 1 मेजर जनरल आसिफ गफूर ने पत्रकारों से बात करते हुए स्वीकारा है कि आतंकवाद के आरोपों के चलते पाक को करोड़ों डॉलर का नुकसान हुआ है। इसमें यह स्वीकारोंकी भी है कि पाक में जिहादी मौजूद है। साथ ही उन्होंने स्वीकारा कि पाक में तीस हजार मदरसों में 25 लाख बच्चों को शिक्षा मिलती है। अब इन मदरसों को शिक्षा विभाग नियंत्रित करेगा। मदरसों के पाठ्यक्रम में नये विषय जड़े जायेंगे। हेट स्पीच की बाजाय दूसरे समुदायों का आदर करना सिखाया जायेगा। यह भी स्वीकारा गया कि आजादी के बात जहां देश में 247 मदरसे थे, आज उनकी संख्या तीस हजार से अधिक है। साथ ही ढाई करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जाते। विशिष्ट रूप से यह स्वीकारन होगा कि भारत सरकार ने पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान पर जो अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाया है, उसके नीतीजे अब सामने आने लगे हैं। उसी का नीतीजा है कि पाक अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी में अलग-थलग पड़ता नजर आ रहा है। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना पर प्रतिबंध लगाने की मुहिम वैधिक स्तर पर सिरे चढ़ गई है। अले ही चीन के अंडियल रवैये के कारण उसे अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित न किया जा सका हो, मगर पाक की फौजीहत अच्छी खासी हो चुकी है। जिस तरह फांस व अमेरिका खुद इस प्रस्ताव को सिरे चढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, उससे जाहिर है कि भारत की नीति को विश्व बिरादरी में भरपूर समर्थन मिल रहा है। चीन के अंडियल रवैये का कारण साफ है कि 'बन बैल्ट, बन रोड' परियोजना के तहत चीन ने पाक में जो 60 अरब डॉलर का विवेश किया है, वह खटाई में पड़ सकता है। दूसरे, उसके एक प्रांत में जिस तरह इस्लामिक आतंकवाद सिर उठा रहा है, उस पर इस्लामिक जगत का समर्थन पाने की लालसा भी मसूद ?अजहर के पक्ष में खड़े होने के मूल में हैं।

रिकॉर्ड स्तर पर कर्ज़ पहुंचने से क्रैश हो सकती है अर्थव्यवस्था

» पाकिस्तान को बड़ा झटका!

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान के आम लोग इन दिनों महांगाई की मार से जूझ रहे हैं। महांगाई ने यहां पिछले पांच साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वर्ही, सरकार के लिए बढ़ा कर्ज लगातार सिरदर्द बढ़ा जमाइका, श्रीलंका और पाकिस्तान का है। पाकिस्तान में जीडीपी की तुलना में कर्ज पिछले साल 2018 की तुमाही



पाकिस्तान कर्ज के बोझ तले बुरी तरह दब चुका है। जीडीपी की तुलना में कर्ज के मामले में सबसे बुरा हाल जमाइका, श्रीलंका और पाकिस्तान का है। पाकिस्तान में जीडीपी की तुलना में कर्ज पिछले साल 2018 की तुमाही

2018) में बढ़कर 75.1 फीसदी पहुंच गया जो एक साल पहले 67 फीसदी था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान का बुधवार को शुरू हुई वार्ता चालू खाता थाता तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए पाकिस्तान आईएमएफ के 13वें बेलआउट पैकेज की तरफ देख रहा है। वर्ही सरकार के पास एक ही विकल्प है या तो लोगों पर बोझ बढ़ाया जाए

या भुगतान संतुलन की समस्या से जूझे जिससे अर्थव्यवस्था क्रैश हो सकती है। पाकिस्तान खुद को नकदी लिए आईएमएफ से आठ अरब डॉलर का गहर पैकेज चाहता है।

बुधवार को शुरू हुई वार्ता से पहले बीजिंग में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टीन लेगार्ड के बाथ रहा है। वर्ही सरकार के आईएमएफ का क्रिस्टीन लेगार्ड रुपये बढ़कर 223 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया जो जीडीपी का करीब 117 फीसदी था।

संग्राम चौपरी मदर डेयरी के नए प्रबंध निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। मदर डेयरी फ्लूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल ने संग्राम चौपरी को संगठन का नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। चौपरी ने 1 मई, 2019 से प्रभावी कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनकी नियुक्ति कपनी के विकास और प्रगति को नई गति प्रदान करेगी। संग्राम चौपरी का देश के डेयरी क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का सम्मुद्र अनुभव है और कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के रूप में चौपरी ने अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। एनडीडीबी में अपने कार्यकाल के दौरान चौपरी ने पशु पोषण, प्रजनन और पशुधन संबंधित मुद्रों के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय और राज्य स्तर की नीतियों के अलावा राष्ट्रीय डेयरी योजना को लागू करने में सहयोग प्रदान किया है।

गोएयर ने टिकट रद्द कराने का शुल्क किया माफ

नई दिल्ली (आरएनएस)। गोएयर ने भयंकर चक्रवाती तूफान 'फोनी' के मई के बीच भुवनेश्वर, कोलकाता और राँची जाने के लिए या वहां से आने के लिए बुक कराये मर्द के बीच भुवनेश्वर, कोलकाता और राँची जाने के लिए या वहां से आने के लिए बुक कराये गये टिकटों को रद्द कराने या उनकी तिथि और समय में बदलाव के लिए बुक कराये गये यात्रियों के लिए टिकट रद्द कराने या कराने या यात्रा के समय एवं बदलाव के लिए यात्रियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। यात्री पहले से तय बुकिंग के बातावर को 02 मई से 05

मई के बीच भुवनेश्वर, कोलकाता और राँची जाने के लिए या वहां से आने के लिए बुक कराये गये टिकटों को रद्द कराने या उनकी तिथि और समय में बदलाव के लिए यात्रियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। इयरलाइंस ने कहा है कि वह रिस्ति पर नजर रखे हुये है। उसने यात्रियों को हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले उड़ान की स्थिति पता कर लेने की सलाह दी है।

भारत में जनवरी-मार्च के दौरान 5 फीसदी बढ़ी सोने की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में इस साल के शुरुआती तीन महीने के दौरान सोने की मांग में पिछले साल की तुमाही में 47,010 करोड़ रुपये के सोने की मांग रही।

भारत में सोने की मांग मुख्य रूप से सोने के आधुनिक के मिलती है। डब्ल्यूजीसी के अंकड़ों के अनुसार, सोने की जेवराती मांग 2018 की पहली तुमाही में जहां 119.2 टन थी वहां इस साल 125.4 टन रही। इस प्रकार जेवराती मांग में भी पांच फीसदी की वृद्धि हुई। अलोच्य अवधि में देश में सोने की निवेश मांग में चार फीसदी अधिक है।

डब्ल्यूजीसी के सोने के आधुनिक के अंकड़ों के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 750-850 टन के करीब रहने का अनुमान है। डब्ल्यूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बीती तुमाही अनुमान है। डब्ल्यूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बीती तुमाही के आखिर में डॉलर के मुकाबले रुपये के अनुमान है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2018 की दौरान भारत में सोने की मांग 211.2 टन थी वहां इस साल 232.3 टन थी वहां इस साल 33.6 टन रही है।

डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 750-850 टन के करीब रहने का अनुमान है। डब्ल्यूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बीती तुमाही के आखिर में डॉलर के मुकाबले रुपये के अनुमान है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 211.2 टन थी वहां इस साल 232.3 टन थी वहां इस साल 33.6 टन रही है।

डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 750-850 टन के करीब रहने का अनुमान है। डब्ल्यूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बीती तुमाही के आखिर में डॉलर के मुकाबले रुपये के अनुमान है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 211.2 टन थी वहां इस साल 232.3 टन थी वहां इस साल 33.6 टन रही है।

डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 750-850 टन के करीब रहने का अनुमान है। डब्ल्यूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बीती तुमाही के आखिर में डॉलर के मुकाबले रुपये के अनुमान है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 211.2 टन थी वहां इस साल 232.3 टन थी वहां इस साल 33.6 टन रही है।

डब्ल्यूजीसी के अनुसार, 2019 के दौरान भारत में सोने की मांग 750